आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 02.09.2024 समय : 0705

<><><><><><><><>

- राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य धन्यकुमार जिनप्पा गुंडे आज से तीन दिवसीय दौरे पर पोर्ट ब्लेयर पहुंच रहे हैं।
- द्वीपसमूह में कल से राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जा रहा है।
- पोर्ट ब्लेयर नगरपालिका परिषद की ओर से "सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ" पहल के तहत पूरे शहर भर में सफाई अभियान का सफलतापूर्वक संचालन किया गया।
- अण्डमान निकोबार कमान भारतीय उद्योग परिसंघ के सहयोग से पोर्ट ब्लेयर में आज से दो दिनों का तकनीकी संगोष्ठी एन्टेक का आयोजन करेगा।
- आगामी गणेश पूजा को देखते हुए द्वीपसमूह में ज़ोर–शोर से तैयारियां शुरू हो गई है।

<><><><><><><><>

भारत सरकार के राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य धन्यकुमार जिनप्पा गुंडे आज से तीन दिवसीय दौरे पर पोर्ट ब्लेयर पहुंच रहे हैं। पोर्ट ब्लेयर पहुंचने के बाद, माननीय सदस्य सचिवालय के सम्मेलन हॉल में अल्पसंख्यक समुदायों के प्रतिनिधियों और जिला उपायुक्त, एसडीएम, पुलिस अधीक्षक, जिला अल्पसंख्यक अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य राष्ट्रीय स्मारक सेलुलर जेल का दौरा करेंगे और सेलुलर जेल परिसर में लाइट एंड साउंड शो भी देखेंगे। यात्रा पूरी होने पर माननीय सदस्य पांच सितंबर को मुख्य भूमि के लिए रवाना होंगे।

<><><><><><><><>

देशभर में आज से राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जा रहा है। यह प्रतिवर्ष पहली सितंबर से सात सितंबर तक मनाया जाता है। इस वार्षिक कार्यक्रम की शुरुआत उन्नीस सौ बयासी में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के खाद्य एवं पोषण बोर्ड द्वारा की गई थी। पोषण सप्ताह का उद्देश्य जनता के बीच पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाना है, जो उत्पादकता, आर्थिक विकास और राष्ट्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

इसका उद्देश्य लोगों को शिशुओं से लेकर बुजुर्गों तक विभिन्न आयु समूहों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं के बारे में शिक्षित भी करना है। इस सप्ताह के दौरान, सरकारी और गैर–सरकारी संगठनों द्वारा संचालित पोषण शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर प्रमुख जोर दिया जाएगा। पोषण सप्ताह के दौरान, देश भर में कई सेमिनार, कार्यशालाएँ, शैक्षिक कार्यक्रम, सम्मेलन और जन जागरूकता अभियान आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों को लोगों को संतुलित आहार बनाए रखने के लाभों, उचित पोषण के सकारात्मक प्रभाव, खराब आहार संबंधी आदतों से जुड़ी बीमारियों को रोकने के तरीकों और पोषण संबंधी कमियों को दूर करने की रणनीतियों के बारे में शिक्षित करने के लिए तैयार किया गया है।

<><><><><><><><>

पोर्ट ब्लेयर नगरपालिका परिषद की ओर से "सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ" पहल के तहत पूरे शहर भर में सफाई अभियान का सफलतापूर्वक संचालन किया गया, जिसमें सभी चौबीस वार्ड शामिल थे। इस अभियान के दौरान नगरपालिका परिषद के सफाई कर्मचारियों ने सड़कों, सार्वजनिक स्थानों, नालियों, फुटपाथों और अन्य क्षेत्रों की सफाई पर ध्यान केंद्रित करते हुए उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। उनके प्रयासों ने न केवल शहर के सौंदर्य को बढ़ाया, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। अभियान के दौरान नगरपालिका परिषद ने दो हजार नौ सौ अड़तालिस किलोग्राम सूखा कचरा एकत्र किया। परिषद के सचिव अमित काले ने नागरिकों से खुले में कूड़ा फेंकने से बचने और सफाई मित्रों को अलग–अलग कचरा सौंपकर शहर की सफाई बनाए रखने में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। सफाई अभियान के अलावा, पीबीएमसी कर्मचारियों ने बाथूबस्ती स्कूल और जीडीएमएस के प्रिंसिपल, शिक्षकों और छात्रों के साथ मिलकर "एक पेड़ माँ के नाम" पहल के तहत पेड़ लगाए।

<><><><><><><><>

पूरे द्वीपसमूह में कचरा मुक्त अभियान के तहत सभी सत्तर ग्राम पंचायतों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसका उद्देश्य न सिर्फ पंचायतों को कचरा मुक्त करना था, बल्कि कचरा मुक्त पर्यावरण सुनिश्चित करना था। अभियान के दौरान प्रत्येक ग्राम पंचायतों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सूखे कचरे को अलग करने पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसे एकत्र कर नजदीकी ठोस कचरा प्रबंधन कलस्टर में आगे की कार्रवाई के लिए भेजा गया। अभियान के दौरान एक हजार छह सौ पंचास किलोग्राम के करीब अलग किए गए ठोस कचरे एकत्र किए गए।

ग्रामीण विकास, पंचायती राज और शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय द्वीपों को कचरा मुक्त बनाने की दिशा में प्रयासरत है और यह अभियान इन प्रयासों की ओर बढ़ता हुआ एक कदम है। ग्रामीण विकास और पंचायती राज सचिव ने अभियान में सहयोग देने और सभी के समर्पित प्रयासों के लिए उनके प्रति आभार प्रकट किया। सचिव ने अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह को स्वच्छ, हरित और कचरा मुक्त बनाने के लिए आम जनता, युवाओं, विद्यार्थियों, नागरिक समाज के संगठनों, पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों से सहयोग की अपील की है।

<><><><><><><>

अण्डमान निकोबार कमान, भारतीय उद्योग परिसंघ के सहयोग से पोर्ट ब्लेयर में तकनीकी संगोष्ठी एन्टेक का आयोजन करेगा। अण्डमन निकोबार कमान और भारतीय सैन्य उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए दो दिवसीय इस संगोष्ठी का आज सुबह दीपिका सभागार में उद्घाटन होगा। संगोष्ठी में सेना के शीर्ष अधिकारियों सहित स्थानीय अधिकारी भी भाग लेंगे।

<><><><><><><>

एनकॉल रेड रिबन क्लब ने अंडमान एड्स नियंत्रण सोसाइटी के सहयोग से एड्स के बारे में जागरूकता पैदा करने और इस बीमारी से प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए 'रेड रन' शीर्षक से कॉलेज स्तरीय पांच किलोमीटर मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एनकॉल परिसर से आरंभ होकर कार्बाइन्स कोव तट पर संपन्न हुआ। मैराथन को एनकॉल की प्रभारी प्राचार्या डॉ. बी.एस.वी. मीरा शेट्टी ने झंडी दिखाकर रवाना किया। छात्रों ने दौड़ में भाग लिया, जबकि स्टाफ सदस्यों ने फिटनेस के लिए दौड़ लगाई। कार्यक्रम में रेड रिबन क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. जोचिबेड विंसेंट ने अपने संबोधन में कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य एड्स के बारे में जागरूकता और शिक्षा को बढ़ावा देना और बीमारी से जूझ रहे लोगों के लिए एक सहायक समुदाय को बढ़ावा देना था। 'रेड रन' के माध्यम से, एनकॉल रेड रिबन क्लब और एड्स नियंत्रण सोसाइटी ने समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

<><><><><><><>

आगामी गणेश पूजा को देखते हुए द्वीपसमूह में ज़ोर–शोर से तैयारियां शुरू हो गई है। द्वीपसमूह के विभिन्न भागों में पूजा–पंडालों का काम आरंभ कर दिया गया है। मूर्तिकारों द्वारा मूर्तियों को आकार दिया जा रहा है। द्वीपसमह में हर वर्ष बड़े उत्साह के साथ गणेश पूजा का आयोजन किया जाता है। प्रशासन की ओर से भी पूजा को देखते हुए पंडालों के निर्माण और सजावट को लेकर कई दिशा–निर्देश जारी किए गए है और सभी पूजा समितियों से इन दिशा–निर्देशों का पालन करने को भी कहा गया है।

<><><><><><><>

कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ.बी.आर. अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान के फैशन और परिधान डिज़ाइनिंग पाठ्यक्रम के प्रशिक्षुओं और महिला मण्डल शादीपुर द्वारा हाल ही में चिन्मय मिशन में अपने हस्तनिर्मित परिधानों की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन चिन्मय मिशन के स्वामी शुद्धानन्द सरस्वती ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कौशल विकास से महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण होता है। कार्यक्रम में डीब्रेट के कौशल विकास परियोजना अधिकारी डॉ. अलगुसुन्दरम ने प्रशिक्षुओं के हस्तनिर्मित परिधानों की सराहना की।

<><><><><><><>